>

Title: Regarding National Denotified Nomadic and Semi Nomadic Tribes Commission interim Report.

श्री हरिभाऊ राठौड़ (यवतमाल): उपाध्यक्ष महोदय, नोमैडिक ट्राइब्स और डिनोटिफाइड ट्राइब्स की बात मैं आपके सामने रखना चाहता हूं। इस देश में जो जनता है, उसे इस देश की नागरिकता, वोट देने का अधिकार और स्वतंत्रता मिलती है। जिन लोगों के बारे में मैं बार-बार बात कर रहा हूं, आज भी ऐसे 15 करोड़ से अधिक लोग देश में हैं। जैसा अभी हमारे साथी ने बताया कि कचरा बीनने वाले, बंदर नचाने वाले और सांपों का खेल दिखाने वाले ऐसे करोड़ों लोग हैं, जिनके पास मकान नहीं है, उनके पास राशन कार्ड नहीं है, उनका वोटिंग लिस्ट में नाम भी नहीं है। यहां जो नंदी भाई घूमते हैं, ऐसे करोड़ों लोग हमारे देश में है, जो डिनोटिफाइड डोमैडिक ट्राइब्स कहलाते हैं, इन लोगों के लिए अभी तक कुछ नहीं किया गया है। एक बार परमपूज्य बाबा अम्बेडकर जी ने महात्मा गांधी जी से सीधा प्रश्न पूछा था- "Mr. Gandhi, where is my motherland? " उन्होंने केवल प्रश्न ही नहीं पूछा था, बाबासाहेब अम्बेडकर ने आर्टिकल 16 में जो प्रावधान किया है, उसमें यह लिखा गया है -

In article 16 (4) it is provided:

> "Nothing in this article shall prevent the State from making any provision for reservation of appointments or posts in favour of any backward class of citizens. "

उपाध्यक्ष महोदय : आप सरकार से क्या चाहते हैं, वह पूछें?

श्री हरिभाऊ राठौड़ : मैं कहना चाहता हूं कि अभी तक इसका इंटरप्रिटेशन नहीं हुआ है। इसमें बैकवर्ड क्लास...(व्यवधान[b95])

उपाध्यक्ष जी, मेरा क्वैश्चन यह है कि मैं 15 करोड़ लोगों की बात कर रहा हूं। सरकार एस.सी.,एस.टी., ओ.बी.सी. और माइनौरटीज़ की बात करती है लेकिन डिनोटिफाईड नोमैडिक की कोई बात नहीं करता है। पं. जवाहर लाल नेहरु, सरदार पटेल और बाबा साहेब अम्बेडकर सब जानते थे कि डिनोटिफाईड नोमैडिक क्या है? ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please put your question.

श्री हरिभाऊ राठौड़ : इस संबंध में योजना बनाई जाये। हम लोग बार बार मांग कर रहे हैं। इसलिये इन लोगों के लिये प्रावधान किया जाये।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is your question? I want to know what is your question.

...(*Interruptions*)

श्री हरिभाऊ राठौड़ : उपाध्यक्ष महोदय, इन लोगों के लिये प्लानिंग होनी चाहिये। जब तक यह नहीं होगा, आप इन्हें कैसे न्याय दे सकेंगे?